देश का नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

SUNDAY PREMIUM

कुल पेज 28
मूल्य ₹ 5.00 (रसरंग आज)

झुंझुनूं, राजस्थान | रविवार 14 जून, 2026 | 12 राज्य | 61 संस्करण

> विश्वास ही वह प्रेरणा है, जो आपको लॉन्चिंग पैड से उड़ान भरने में मदद करती है।
> - डेनिस वेटली

इनोवेशन मेडिकल क्षेत्र में सीरी पिलानी की बड़ी उपलब्धि, स्वदेशी आरएफ ट्यूब सीलर बनाया

आरएफ ट्यूब सीलर निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा भारत

भास्कर न्यूज | पिलानी

चिकित्सा उपकरण निर्माण के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को एक और बड़ा आयाम मिला है। सीएसआईआर-सीरी पिलानी ने आरएफ (रेडियो फ्रीक्वेंसी) ट्यूब सीलर तकनीक का सफल स्वदेशी विकास किया है।

ब्लड बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आरएफ ट्यूब सीलर एक अनिवार्य उपकरण है। इसका उपयोग ब्लड बैग्स और अन्य चिकित्सा ट्यूबिंग को लीक-प्रूफ सील करने के लिए किया जाता है। अब तक भारत इन उच्च तकनीकी उपकरणों के लिए बड़े पैमाने पर विदेशी आयात पर निर्भर था। लेकिन अब सीरी पिलानी की इस पहले से न केवल विदेशी निर्भरता खत्म होगी बल्कि देश में चिकित्सा के बुनियादी ढांचे को और अधिक मजबूती मिलेगी।

इस नवाचार के व्यावसायिक उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए सीरी पिलानी ने मुंबई की अग्रणी चिकित्सा उपकरण निर्माता कंपनी मैसर्स रेमी इलेक्ट्रोटेक्निक प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है।

समझौता प्रक्रिया सीरी निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया, वैज्ञानिक डॉ. आशीष कुमार सिंह व आनंद अभिषेक तथा रेमी के बिजनेस मैनेजर विभोर साहनी के बीच संपन्न हुई।

बाहरी संपर्क नहीं होने के कारण पूरी तरह से संक्रमण मुक्त प्रक्रिया

पिलानी. आरएफ ट्यूब सीलर टेक्नोलोजी के बारे में बताते संबंधित वैज्ञानिक।

संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ. आशीष कुमार सिंह व आनंद अभिषेक के मार्गदर्शन में विकसित यह उपकरण पारंपरिक थर्मल हीटिंग से बिल्कुल अलग और अधिक प्रभावी है। यह 40.68 मेगाहर्ट्ज की उच्च-आवृत्ति रेडियो तरंगें उत्पन्न करता है जो सीधे पीवीसी ट्यूबिंग के अणुओं को उत्तेजित कर सीलिंग करती है। इससे किसी बाहरी गर्म सतह के संपर्क की आवश्यकता नहीं पड़ती। बाहरी संपर्क नहीं होने के कारण यह पूरी तरह से सुरक्षित है।

विदेशी निर्भरता कम होगी, मेक इन इंडिया को बढ़ावा : वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं और ब्लड बैंकिंग अवसंरचना के विस्तार के साथ ही आरएफ ट्यूब सीलरों की मांग बढ़ रही है। फिलहाल इन उपकरणों का एक बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात किया जाता है। सीरी पिलानी के निदेशक डॉ. पंचारिया ने इस नई तकनीक को चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम बताया है। यह तकनीक स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती बनाएगी ही, भारत को मेडिकल डिवाइसेज मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक सशक्त कदम होगा।